६०२/१८५

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी - १६ जून, २०१३)

(समय : दोपहर २:०० से ५:००)

सत्संग प्रवीण - २

सूचना : प्रश्न के बाद में दिए गए अंक उसी प्रश्न के उत्तर के पृष्ठ क्रम बताते हैं । **कुल गुण : १००**

विभाग-१ : किशोर सत्संग प्रवीण - प्रथम संस्करण, अप्रैल - २००३

प्र.१ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । [९]

१. ''गाय को भी पृथ्वी का स्वरूप ही कहा जाता है ।'' (७१)

२. ''माँ की आजीवन सेवा करना ।'' (८५)

३. ''आपकी आज्ञा का पालन नहीं होने से मैं विमुख होने के लिए तैयार हूँ ।'' (७)

प्र.२ निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं तीन के बारे में कारण लिखिए । (बारह पंक्ति में) [९]

१. अलैया खाचर श्रीजीमहाराज को छोड़कर चले गए और भक्तों के कान भरने लगे । (२०-२१)

२. सुरा खाचर का पिटारा चोर-लूटेरों गाँव के बाहर छोड़कर भाग निकले । (७८)

३. महिमा सहित की जानेवाली भक्ति ही निर्विघ्न भक्ति है । (९७-९८)

४. बंगाल के महंत को लोज के सदाव्रत में जाने से मन में शांति हो गई । (६५-६६)

प्र.३ निम्नलिखित विषय पर प्रमाणसर टिप्पणी लिखिए । (बारह पंक्तियों में) [८]

१. संप्रदाय के शास्त्र : सत्संगिजीवन और श्रीहरिलीलाकल्पतरु । (३८-३९) **अथवा** २. कल्याण । (९८)

३. मूलजी और कृष्णजी । (९१-९६) **अथवा** ४. भक्तराज मगनभाई । (१०१-१०४)

प्र.४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । [६]

१. अपनी आत्मा को किस से परे मान कर परमात्मा का ध्यान करना चाहिए ? (४३)

२. बुआजी की पुत्रवधू ने महाराज को क्या उत्तर दिया ? (१८)

३. नैष्ठिक ब्रह्मचारी साधु कैसे होते हैं ? (६)

४. भगवान ने दोनों ब्राह्मणों को दीक्षा प्रदान कर के एक का नाम क्या रखा ? (५७)

५. नित्यतीर्थ किसे कहते हैं ? (२४)

६. वचनामृत का - ६ में श्रीजीमहाराज ने सोमला खाचर की क्या प्रशंसा की ? (३०)

प्र.५ 'भगवान जीवों के गुनाहों.....' (८७-८८) - **'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण कीजिए ।** [५]

प्र.६ निम्नलिखित वाक्यों में से विषय के अनुरूप केवल पाँच सही वाक्य ढूँढ़कर सिर्फ़ उसके नंबर लिखें । [५]

विषय : राजाभाई । (६२)

१. राजाभाई खोरासा गाँव के थे । **२.** पर्वतभाई के योग से वे भगवान स्वामिनारायण के अनन्य आश्रित हुए । **३.** जगत-व्यवहार में रहते हुए भी वे अंबरीष की तरह जगत से अनासक्त । **४.** राजाभाई का नियम था कि संतों की भोजनादि की सेवा उनके घर से ही दी जाए । **५.** उनकी बहन को श्रद्धा कम थी । **६.** सेठ ने कहा, ''जैसा ठीक लगा वैसा किया, तुम्हारा और हमारा, क्या कुछ अलग है ?'' **७.** राजाभाई ने पत्नी को कहा, ''अरी, भागवान् साधुओं को सीधा न देकर तुने बिलकुल ठीक किया ।'' **८.** साढ़े चार हज़ार रुपये इकट्ठे किए । **९.** राजाभाई ने पर्वतभाई का हल जोता । **१०.** श्रीजीमहाराज ने उनको दीक्षा देकर योगानंद स्वामी नाम रखा ।

केवल नंबर :- ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

प्र.७ निम्नलिखित पंक्ति को पूर्ण कीजिए । [८]

१. काम, क्रोध ने लोभ ..... लेज्यो हरि तेह । (८१-८२)

२. जयसि धर्मात्मज ..... शीश नामी । (९-१०)

३. वहाला तारा जुगल चरण ..... मन दीन छे रे लोल । (६९)

४. ध्यान धर ध्यान धर ..... भक्तनां मन लोभे । (१७)

प्र.८ निम्नलिखित कीर्तन / अष्टक / श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए । [६]

१. जनमंगलस्तोत्रम् : ॐ श्री अतिधैर्यवते नमः ..... ॐ श्री क्षमानिधये नमः । (५०)

२. आसामहो ..... श्रुतिभिर्विमृग्याम् ॥ (९९)

३. साध्वीचकोर ..... शरणं प्रपद्ये ॥ (२७) - श्लोक का हिन्दी भाषांतर कीजिए ।

(पृष्ठ पलटिये)

सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद द्वारा किये गये पूर्व कसौटी के आयोजन में मैंने स्वयं कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहकर ''**सत्संग प्रवीण-२**'' परीक्षा दी है । निम्नलिखित बातें सही हैं, जो आपको विदित हो ।

दिनांक महीना साल

परीक्षार्थी का जन्म दिन :- ☐☐ ☐☐ ☐☐☐☐

परीक्षा दिनांक और परीक्षा का समय :

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर :

सूचना : सिर्फ़ उपस्थित परीक्षार्थी भूले बिना इस उपस्थिति स्लीप को काटकर, सभी विगत भरकर केन्द्र व्यवस्थापक को वापस कर दें । सिर्फ़ कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित परीक्षार्थी की उपस्थिति स्लीप इकट्ठा करके सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद को जमा करा दे । (अपूर्ण विवरणवाली उपस्थिति स्लीपें मान्य नहि होंगी ।)

विभाग-२ : गुणातीतानंद स्वामी -प्रथम संस्करण, नवम्बर - २००२

प्र.९ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । **[९]**

१. ''हमारे लिए वे परोक्ष कहाँ है ? देखिए, इन संत के द्वारा वे प्रत्यक्ष ही हैं ।'' (८६)

२. ''गोपालानंद स्वामी ने मुझे यह गाँव छोड़ने की मना की थी ।'' (६६)

३. ''यह खूब प्रतापी होगा, अनेक मुमुक्षुओं का वह कल्याण करेगा ।'' (२)

प्र.१० निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं तीन के बारे में कारण लिखिए । (नौ पंक्ति में) **[९]**

१. स्वामी ने रघुवीरजी महाराज को तीर्थवासी बनकर जूनागढ़ आने को कहा । (६२)

२. वेदांतीओं घबरा गए । (३७)

३. श्रीजीमहाराज ने मूलजी के सांख्यज्ञान की प्रशंसा की । (१६)

४. स्वामी ने चांदी के थाल में भोजन लेने के बदले काष्ठ के पात्र में भोजन लिया । (८४)

प्र.११ निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषय पर प्रमाणसर टिप्पणी लिखिए । (बारह पंक्तियों में) **[८]**

१. प्रागजी भक्त । (७९-८०) २. जूनागढ़ मंदिर के महंतपद पर । (४४-४५) ३. गुणातीत बातें । (५३-५४)

प्र.१२ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **[६]**

१. जूनागढ़ के नवाब की विनती सुनकर श्रीजीमहाराज ने क्या कहा ? (४७)

२. चरवाहा क्या बोलकर माला घुमाता था ? (५७)

३. संन्यासी की बात सुनकर मूलजी ने क्या कहा ? (८)

४. श्रीजीमहाराज ने पुराणी को गले लगाया तो ब्रह्मानंद स्वामी ने क्या कहा ? (३८)

५. श्रीजीमहाराज कौन-सी पंक्ति गाते ही अचानक रुक गए ? (२०)

६. स्वामी के संबंध से क्या सरल हो गया था ? (७०)

प्र.१३ निम्नलिखित किन्हीं एक प्रसंग को संक्षिप्त में बयानकर भावार्थ लिखिए । (बारह पंक्तियों में) **[४]**

१. आज्ञा धारक । (२४ - २६) २. क्षमाशील । (३०-३१) ३. निश्चय कराया । (७३-७४)

प्र.१४ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । **[८]**

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहि दिया जाएगा ।

१. गुणातीतानंद स्वामी अक्षरब्रह्म है, ऐसी पहचान किस किस ने करवाई ? (५३, ८२)

(१) ☐ गोपालानंद स्वामी (२) ☐ प्रागजी भक्त

(३) ☐ स्वरूपानंद स्वामी (४) ☐ नरनारायणानंद स्वामी

२. वरताल की सभा में गुणातीतानंद स्वामी का पक्ष किसने लिया ? (८३)

(१) ☐ शुकमुनि (२) ☐ पवित्रानंद स्वामी

(३) ☐ सींजीवाड़ा के प्रभुदास (४) ☐ भगतजी महाराज

३. गुणातीतानंद स्वामी संतों को किन चार हरिभक्तों का समागम करने को कहेते थे ? (७०)

(१) ☐ हामापर के रयो देसाई (२) ☐ चाडिया के राम भंडेरी

(३) ☐ कमीगढ़ के करसन बांभणिया (४) ☐ बगसरा के वेला सथवारो

४. गुणातीतानंद स्वामी ने किस किस गाँवों में संतों की सेवा की ? (२९, ४०)

(१) ☐ वरताल (२) ☐ बुरानपुर

(३) ☐ कारियाणी (४) ☐ अहमदाबाद

❊ ❊ ❊

सूचना : इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक ७ जुलाई, २०१३ के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में पूछे जाएँगे । अभ्यास क्रम में सामिल पुस्तक की अंतिम संस्करण का ही उपयोग करें । मुख्य परीक्षा में उत्तरवही के अलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तर मान्य नहि होंगे ।

☞ **अगत्य की सूचना : सभी परीक्षार्थी अपनी संस्था की निम्नलिखित website - link पर से पुराने सालों के प्रश्नपत्र और उसके उकेलपत्र नि:शुल्क डाउनलोड कर सकते हैं और उसकी प्रिन्ट भी निकाल सकते हैं ।**

http://www.swaminarayan.org/satsangexams/pastpapers/index.htm